**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**23.03.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3352 का उत्तर**

**मौजूदा रेल लाइनों का दोहरीकरण करना तथा नई रेल लाइनें बिछाना**

3352. डा. कनवर दीप सिंह

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे द्वारा मौजूदा रेल लाइनों का दोहरीकरण करने तथा नई रेल लाइनें बिछाने का काम हर वर्ष किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन साल के दौरान इसके लिए कितने वित्तीय आवंटन किए गए हैं और इस संदर्भ में वास्तविक व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इसमें व्याप्त अंतर, यदि कोई हो, के क्या कारण हैं?

**उत्तर**

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)

1. से (ग):- एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

मौजूदा रेल लाइनों का दोहरीकरण करना तथा नई रेल लाइनें बिछाने के संबंध में 23.03.2018 को राज्य सभा में डॉ. कनवर दीप सिंह के अतारांकित प्रश्न सं. 3352 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण

(क) और (ख): जी हां। रेलों द्वारा दोहरीकरण/तीसरी और चौथी लाइनों तथा नई लाइनों संबंधी परियोजनाएं निरंतर निष्पादित की जा रही हैं। गत 3 वर्ष में नई लाइनों और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया हैः-

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र. सं. | योजना शीर्ष | व्यय (करोड़ रु. में) | | |
| 2015—16 | 2016-17 | 2017-18 |
| 1 | नई लाइनें | 15828 | 15987.22 | 8992 (सं.अ.) |
| 2 | दोहरीकरण | 9855 | 9214.33 | 15499 (सं.अ.) |

1. मौजूदा लाइनों का दोहरीकरण और नई लाइनें बिछाना एक सतत प्रक्रिया है। परियोजनाओं का निष्पादन/ पूरा होना सांविधिक क्लीयरेंस, भूमि का अधिग्रहण, वन संबंधी तथा वन्यजीव संबंधी क्लीयरेंस तथा विभिन्न उपयोगी सेवाओं को शिफ्ट किए जाने जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है जो परियोजना के निष्पादन की गति को प्रभावित करते हैं।

**\*\*\*\*\*\*\***